भारत का संविधान

समीक्षात्मक अध्ययन

डा० नगीन चन्द सहगल
एम० ए० पी-एच० डी०
दिल्ली विश्वविद्यालय

LIBRARY
Accession No. 4534
Classification
BAD (HISSAR)

वर्मा ब्रदर्स
२१, शंकर मार्केट पोस्ट बाक्स ५३१
नई दिल्ली.110001

CamScanner

विषय-सूची

१ भारत का सांविधानिक इतिहास

ईस्ट इण्डिया कम्पनी : विनियम अधिनियमन (रेग्युलेटिंग ऐक्ट), 1773 ई० संशोधन-अधिनियम (ऐमेंडिंग ऐक्ट) 1781 ई० : फाक्स का 'भारत-विधेयक' (इण्डिया बिल), 1783 ई० पिट का अधिनियम, 1784 ई० 1786 का अधिनियम 1793 का चार्टर-अधिनियम, 1813 ई० का चार्टर-अधिनियम 1833 ई० का चार्टर-अधिनियम : 1853 का चार्टर-अधिनियम : भारत, सम्राट के शासन में—भारत-शासन अधिनियम (गवर्नमेंट आफ इण्डिया ऐक्ट) 1858 ई० : 1861 ई० का अधिनियम : 1892 ई० का भारतीय कौन्सिल अधिनियम : 1909 ई० का भारतीय कौन्सिल अधिनियम—मार्ले-मिन्टो सुधार : 1919 ई० का भारत-शासन अधिनियम (गवर्नमेंट आफ इण्डिया ऐक्ट) : साइमन कमीशन : भारत-शासन- अधिनियम 1935 ई० : साम्प्रदायिक प्रचार : क्रिप्स मिशन : वेवल योजना, 1945 ई० : मंत्रिमण्डल मिशन (कैबिनेट मिशन) 1946 ई० अंतरिम सरकार : भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 ई० : नये संविधान की रचना : संविधान सभा द्वारा कार्य आरम्भ

१—१५

२ भारत का संविधान : संक्षिप्त परिचय

सम्मत्तियां : संविधानविषयक कुछ महत्वपूर्ण तथ्य : संविधान-रचना में विभिन्न देशों द्वारा लगाये गये समय का तुलनात्मक विवरण : संविधान का संक्षिप्त परिचय : स्वतंत्रता, समता, बंधुता : मूल अधिकार ; संघ की कार्यपालिका : विधानमंडल : न्यायपालिका : राज्य सरकारें ; राज्यों का प्रशासन : निर्वाचन आयोग : वित्तीय व्यवस्था :

१६—२४

३ भारतीय संविधान की विशिष्टताएं

लिखित : विशाल : सम्पूर्ण प्रभुत्वसंपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य : सुनम्य संविधान : गणात्मक : संसदीय ; नाममात्र को राष्ट्रपतीय : सार्वभौम मताधिकार : एकल नागरिकता । धर्मनिरपेक्ष राज्य : बहुभाषी राज्य : भाषावार राज्य : खिताबों का अन्त : वर्गहीन समाज : पुंजीभूत बुद्धिमता : मूल अधिकार : निदेशक तत्व : आपत्कालीन शक्तियां ; अभिसमय : राज्यों का एकीकरण : २५—३१

४ निदेशक तत्व और मूल अधिकार

प्रस्तावना : निदेशक तत्व : मूल अधिकारों और निदेशक तत्वों का अन्तर : मूल अधिकार ३२—४०

५ कानून और न्यायव्यवस्था के मूल सिद्धांत

कानून के सामने व्यक्तियों की समानता की विचारधारा : न्याय देर से मिलने का अर्थ है न्याय न मिलना : साक्ष्य-अधिनियम : सैनिक कर्मचारियों के कानूनी अधिकार : संविधान के परमादेश (रिट) : बंदी-प्रत्यक्षीकरण : उत्प्रेषण अधिकारपृच्छा प्रतिषेध : परमादेश : ४१—४८

६ भारत की नागरिकता

तिहरी कसौटी : अधिवास : पाकिस्तान से आये आप्रवासी : पाकिस्तान जा बसने वाले प्रवासी; विदेशों में बसे भारतीय : अनर्हताएँ : नागरिकता का अर्जन : नागरिकता की समाप्ति : राष्ट्रमण्डल की नागरिकता : विश्व-नागरिकता ४९—५३

७ भारत का राष्ट्र पति

निश्चित शक्तियां : निर्वाचन : निर्वाचन का तरीका ; राष्ट्रपति का कार्यकाल : अर्हताएँ : राष्ट्रपति की स्थिति कानून से ऊपर : राष्ट्रपति की शक्तियां : कार्यकारी शक्तियाँ : विधायी शक्तियां, न्यायिक शक्तियाँ : सैनिक शक्तियाँ वित्तीय शक्तियां : आपत्कालीन शक्तियाँ : सार्वजनिक शक्तियाँ : राजनयिक शक्तियाँ अधि-मंत्रिमंडलीय शक्तियां : समीक्षा : राष्ट्रपति और मंत्रिमण्डल ; राष्ट्रपति की तानाशाही से बचाव ; महाभियोग उपराष्ट्रपति ; अर्हताएँ : कार्य : पदच्युति ५४—६८

८ संघीय मंत्रिपरिषद

प्रधानमंत्री : मंत्रीपरिषद् : मन्त्रिमन्डल ६९—७०

९ भारत की संसद्

संसद का क्रमविकास : भारत की संसद : राज्यसभा : शक्तियाँ और काम : लोकसभा : अध्यक्ष और उपाध्यक्ष : शक्तियां और कार्य : संसदीय विशेषाधिकार : वित्तीय प्रक्रिया : विनियोग-विधेयक : अनुपूरक अथवा अधिक अनुदान । विधायी प्रक्रिया : विधेयक पास करने की प्रक्रिया : समिति-पद्धति : धनविधेयक : संसद की शक्तियां : विधियों का अधिनियमन : संसद् में बोली जा सकने वाली भाषाएँ : सदस्यों के वेतन और भत्ते : दोनों सदनों के आपसी सम्बन्ध ७१—९१

१० न्यायपालिका

संरचना : न्यायिक कार्य : उच्चतम न्यायालय के अन्य काम : उच्च न्यायालय उच्च न्यायालय की संरचना : अधीनस्थ न्यायालय ९२—१००

११ राज्यों का संविधान

राज्यपाल ; राज्यपाल की शक्तियाँ और कार्य : आपात स्थिति में कर्त्तव्य : राज्यपाल की भूमिका : नये दबाव और भार : बुनियादी प्रश्न : मंत्रिपरिषद : मुख्यमंत्री : महाधिवक्ता : राज्य-विधानमण्डल : विधानसभा : विधानपरिषद् १०१—११४

१२ संघ और राज्यों के सम्बन्ध

विधायी सम्बन्ध : राज्यों द्वारा बने कानूनों पर राष्ट्रपति की सहमति प्रशासनिक सम्बन्ध : वित्तीय सम्बन्ध : संघ सरकार के कर : राज्यों द्वारा लगाये जाने वाले कर : आपात-उपबन्ध : राज्य-विधानमण्डलों की सीमाएँ : केन्द्र और राज्यसम्बन्धों की उद्वेगजनक बातें ११५—१२५

१३ राज्यों का पुनर्गठन

विधान : क्षेत्रीय समितियां : क्षेत्रीय परिषदें : मुख्य उद्देश्य : क्षेत्रीय परिषद् का गठन : कार्य नये राज्य और संघीय राज्यक्षेत्र १२६—१३०

१४ जम्मू और कश्मीर

अस्थायी, संक्रमणकालीन और विशेष उपबन्ध : अन्य राज्यों से भिन्न : अनुच्छेद ३५६ और ३५७ काश्मीर पर भी लागू : कश्मीर का राज्यपाल और मुख्यमन्त्री : कश्मीर की विधानसभा : जम्मू और कश्मीर का भारत संघ में एकीकरण : मूल सिद्धांत : राज्य-विधानसभा : राजभाषा : वाक् स्वातन्त्र्य १३१—१४४

१५ भाषाएँ

राजभाषा अधिनियम, १९६३ : नेहरूजी का आश्वासन : श्री लालबहादुर शास्त्री द्वारा इन आश्वासनों की पुष्टि : राजभाषा (संशोधन) अधिनियम, १९६७ : प्रस्ताव : आलोचकों को उत्तर : राजभाषा (संशोधन) अधिनियम, १९६७ : प्रस्ताव का मूलपाठ : भाषायी अल्पसंख्यकों के लिए रक्षोपाय १४५—१५९

१६ संविधान में संशोधन

प्रथम संशोधन : दूसरा संशोधन : तीसरा संशोधन : चौथा संशोधन : पाँचवाँ संशोधन : छठा संशोधन : सातवाँ संशोधन : आठवां संशोधन : नवाँ सँशोधन : दसवां सँशोधन : गयरहवाँ सँशोधन : बारहवाँ सँशोधन : तेरहवां संशोधन : चौदहवां संशोधन : पन्द्रहवां संशोधन : सोलहवां संशोधन : सत्रहवां संशोधन ; अठारहवां संशोधन ; उन्नीसवां संशोधन : बीसवां सँशोधन : इक्कीसवाँ संशोधन । बाईसवा संशोधन : तेईसवाँ संशोधन : चोबीसवाँ संशोधन : पच्चीसवाँ संशोधन : छब्बीसवां संशोधन : सत्ताईसवां संशोधन : अट्ठाईसवां सँशोधन : उन्तीसवाँ सँशोधन १६०—१७८

१७ भारत का महान्यायवादी और नियन्त्रण-महालेखा परीक्षक

महान्यायवादी : अर्हताएँ और लब्धियाँ : कार्य : नियन्त्रक-महालेखापरीक्षक १७९—१८१

१८ आपात उपबन्ध

युद्ध या आन्तरिक गड़बड़ से उत्पन्न आपात : अवधि : परिणाम : राज्यों का सांविधानिक तन्त्र : वित्तीय आपात १८२—१८७

१९ विविध उपबन्ध

अनुसूचियाँ : अल्पसंख्यकों के लिए विशेष उपबन्ध : लोक सेवा आयोग : संघटन : कर्त्तव्य : निर्वाचन-आयोग : वित्त-आयोग : विधि आयोग राजभाषा विधायी आयोग : राष्ट्रीय चिह्न : राष्ट्रगान : पूर्वता अधिपत्र : १८८—२०१

भाग २

परिशिष्ट १

उन परिस्थितियों का सँक्षिप्त विवरण, जिनके फलस्वरूप सँविधान (चोबीसवाँ सँशोधन) अधिनियम पारित हुआ : सँसद की सर्वोच्चता का मामला २०२—२०९

परिशिष्ट २

राज्यपाल की भूमिका के विषय में प्रशासनिक सुधार आयोग की सिफारिशों का सारांश : राज्यपालों की समिति द्वारा प्रतिवेदित राज्यपाल की भूमिका २१०—२१४

परिशिष्ट ३

सूची १ : संघ-सूची : सूची २ राज्य-सूची : सूची ३ समवर्ती सूची : २१५—२३४

भाग—३

समीक्षाएं और सम्मतियां

संविधान के अधिकारी विद्वानों और विशिष्ट व्यक्तियों द्वारा—सरदार २३५

वल्लभ भाई पटेल २३५—२३७

संसदीय लोकतंत्र —श्री जवाहरलाल नेहरू

भारतीय संविधान के कुछ पक्ष न्यायाधिपति जे० एम० शेलाट २३८—२४०

एकात्मक शासन का पक्ष-समर्थन...श्री पी०कोदण्डराव २४०—२४४

व्यक्तिगत स्वाधीनता और लोकहित...श्री पी० गजेन्द्रगड़कर, भारत के भूतपूर्व मुख्य न्यायाधिपति २४४...२४७

लोकतन्त्र में न्यायपालिका का स्थान...श्री सलीम किदवाई २४७...२५०

विधानमण्डल बनाम न्यायपालिका...श्री एन० सी०चटर्जी, संसदसदस्य २५१...२५४

संविधान-संशोधन की मान्यता, चार महत्वपूर्ण विचार...

श्री नीरेन दे २५५...२५८

२—श्री के० एल० मिश्र : महाधिवक्ता, उत्तर प्रदेश : २५९...२६३

३...श्री मोहन कुमार मँगलम : महाधिवक्ता. मद्रास २६३...२६८

४—श्री श्यामला पप्पू २६८...२७२